

नेपाल राजपत्र

भाग ३

श्री ५ को सरकारद्वारा प्रकाशित

काठमाडौं, माघ २६ गते २०२७ साल

श्री ५ को सरकार
स्वास्थ्य मन्त्रालयको
सूचना

जग्गा प्राप्ति ऐन २०१८ को दफा ७ को उपदफा (१) ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी श्री ५ को सरकारले मानसिक चिकित्सालय निर्माण, एपिडिमियोलजीको कार्यालय स्थापना गर्न र इन्फेक्सन्स डीजीजे युनिटको विस्तार गर्न समेत कामको लागि बागमती अञ्चल काठमाडौं जिल्ला नगर पञ्चायत वडा नं. २ (क) को निम्नलिखित जग्गा प्राप्त गर्ने निर्णय गरेकोले सो जग्गाको जग्गाधनीले जग्गाको मोल र अरु नोक्सानी बापत यस ऐन र जग्गा प्राप्ति नियमहरू २०२६ बमोजिम क्षतिपूर्ति पाउने हुँदा यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ ।

पूर्व बाटो, पश्चिम बाटो, उत्तर कुलो, दक्षिण कि. नं. २५३, १४४, १५२, १५३, १५४ र १५६ मध्ये बाँकी जग्गा यति ४ किल्लाभिन्नको मालपोत रु. १६३।२७ (एकसय त्रिसठ्ठीरूपैयाँ सत्ताइसपैसा) लागेको जग्गा रोपनी ४१-१४-२ (एकचालीसरोपनी चौधआना दुईपैसा) को जग्गा कित्ता एक - - - - - - - - - - १

आज्ञाले-

कृष्णबहादुर मानन्धर

श्री ५ को सरकारको सचिव

(३)

आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।

रिपब्लिकन

६ मार्च

राष्ट्रीय कार्यवाही के लिए

संख्या २१०५ दिनांक १० मार्च, विमानवाहक

संख्या के लिए

विमानवाहक प्रशासन

संख्या

विमानवाहक प्रशासन के लिए संख्या २१०५ की तारीख १० मार्च १९५५ में जारी की गई थी।
विमानवाहक प्रशासन के लिए संख्या २१०५ की तारीख १० मार्च १९५५ में जारी की गई थी।
विमानवाहक प्रशासन के लिए संख्या २१०५ की तारीख १० मार्च १९५५ में जारी की गई थी।
विमानवाहक प्रशासन के लिए संख्या २१०५ की तारीख १० मार्च १९५५ में जारी की गई थी।
विमानवाहक प्रशासन के लिए संख्या २१०५ की तारीख १० मार्च १९५५ में जारी की गई थी।
विमानवाहक प्रशासन के लिए संख्या २१०५ की तारीख १० मार्च १९५५ में जारी की गई थी।
विमानवाहक प्रशासन के लिए संख्या २१०५ की तारीख १० मार्च १९५५ में जारी की गई थी।
विमानवाहक प्रशासन के लिए संख्या २१०५ की तारीख १० मार्च १९५५ में जारी की गई थी।
विमानवाहक प्रशासन के लिए संख्या २१०५ की तारीख १० मार्च १९५५ में जारी की गई थी।
विमानवाहक प्रशासन के लिए संख्या २१०५ की तारीख १० मार्च १९५५ में जारी की गई थी।

—संख्या—

विमानवाहक प्रशासन

विमानवाहक प्रशासन के लिए

आधिकारिकता मुद्रण विभाग द्वारा प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।